पौधों की सही पहचान हो, मिले संरक्षण

- टीएनबी कॉलेज में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में बोलीं वैज्ञानिक डॉ संगीता
- आज मंदार पर्वत पर वैज्ञानिक व छात्र करेंगे पौधों की पहचान

वरीय संवाददाता, भागलपुर

टीएनबी कॉलेज में चल रही आठ दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन कॉलेज के प्रशाल में कार्यशाला हुई, जबकि पीजी बॉटनी विभाग में प्रयोग किया गया. कार्यशाला का विषय पौधा वर्गीकरण में क्षमता विकास का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम है. बॉटनिकल सोसाईटी ऑफ इंडिया, कोलकाता के वैज्ञानिक डॉ संगीता दास चौधरी ने पौधों के जड़, तना, पत्ती, फूल, फल के विभिन्न प्रकार पर चर्चा की. उन्होंने कहा कि कोई फूल नर होते हैं, कोई मादा होते, तो कोई दोनों होते हैं. नर फूल में बुनकेसर होता है और मादा फूल में जयांग होता है. कोई फूल ऐसा है, जो नर फूल रहते हुए भी निष्फल हो जाता है.

कार्यशाला में जानकारी देते प्रोफेसर. ■ फोटो । प्रभात खबर

बीएसआइ वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ वी संपत कुमार ने पौधों के प्राचीन काल से लेकर आधुनिक वर्गीकरण की विस्तृत चर्चा की. वर्गीकरण के प्रत्येक सिस्टम के गुण व दोष पर प्रकाश डाला. उन्होंने इस बात पर जोर डाला कि कोई भी सिस्टम हो, सबका मुख्य उद्देश्य है पौधों का संरक्षण व सही पहचान. आयोजन सचिव डॉ एचके चौरसिया ने अतिथियों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया. उन्होंने कहा कि जिस समय वे आइएससी में पढ़ते थे, उस समय इस तरह बतानेवाले शिक्षक मिले होते, तो आज वे जरूर टेक्सोनॉमिस्ट होते. उन्हें यह आत्मविश्वास है कि वर्कशॉप से एक या दो छात्र टेक्सोनॉमी में वैज्ञानिक बनेंगे. हर्बेरियन टेक्निक पर प्रायोगिक कक्षा का आयोजन पीजी बॉटनी में चार घंटे तक चला. सभी प्रतिभागी को एक-एक कर प्रयोग के नये-नये तरीके से अवगत कराया गया.

प्रयोगिक कक्षा का संचालन बीएसआइ के उक्त दोनों वैज्ञानिक के साथ-साथ डॉ देवेंद्र सिंह, बॉटनिस्ट आनंद कुमार व गोपाल कृष्ण ने किया. कार्यशाला का आयोजन टीएनबी कॉलेज के वनस्पति विज्ञान विभाग, टीएमबीयू के पीजी वनस्पति विज्ञान विभाग, बॉटनिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया की ओर से किया गया है. रविवार को वैज्ञानिकों के साथ सभी प्रतिभागी मंदार पर्वत पर पौधों की पहचान करेंगे.